अनुक्रमांक : ..... नाम : .....

अर्द्धवार्षिक परीक्षा : 2022-23

विषय - हिन्दी

समय : 3:00 घण्टे **कक्षा - द्वादश** **पूर्णांक : 100**

निर्देश: सभी प्रश्नों के उत्तर स्वच्छतापूर्वक अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित विकल्पों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) 'बाण भट्ट की आत्मकथा' रचना की विधा है- 1

(i) कहानी (ii) आत्मकथा
(iii) उपन्यास (iv) नाटक

(ख) 'ब्रह्म समाज' के संस्थापक हैं- 1

(i) राजा राममोहन राय (ii) स्वामी दयानन्द सरस्वती
(iii) रामकृष्ण परमहंस (iv) स्वामी विवेकानन्द

(ग) 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' के लेखक हैं- 1

(i) विट्ठलनाथ (ii) गोकुलनाथ
(iii) रामप्रसाद निरंजनी (iv) मुंशा सदासुख लाल

(घ) कन्हैया लाल मिश्र की रचना है- 1

(i) भूले बिसरे चहरे (ii) कुटज
(iii) भाषा और आधुनिकता (iv) पृथ्वी पुत्र

(ङ) राष्ट्र का तीसरा अंग है- 1

(i) भूमि (ii) जल
(iii) जन (iv) संस्कृति

2. (क) प्रकृति का सुकुमार कवि कहा गया है- 1

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (ii) सुमित्रानन्दन पन्त
(iii) केशवदास (iv) बिहारीलाल

(ख) देवसेन द्वारा रचित है- 1

(i) रेवंतगिरिरास (ii) भरतेश्वर बाहुवली रास
(iii) हम्मीर रासो (iv) श्रावकाचार

(ग) विनय पत्रिका रचना है- 1

(i) रीतिकाल की (ii) आदिकाल की
(iii) भक्तिकाल की (iv) छायावाद की

(घ) 'पवन दूतिका' शीर्षक अवतरित है- 1

(i) साकेत (ii) कामायनी
(iii) श्रद्धा मनु (iv) प्रिय प्रवास

(ङ) आकाशदीप रचना की विधा है- 1

(i) उपन्यास (ii) कहानी
(iii) नाटक (iv) आत्मकथा

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2x5=10

भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनन्तकाल से है। उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्धि के सचेत होना हमारा आवश्यक कर्तव्य है। भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जागरूक होंगे उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती होगी। यह पृथ्वी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी है जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी, वह निर्मूल होती है। राष्ट्रीयता की जड़ें पृथिवी में जितनी गहरी होंगी उतनी ही राष्ट्रीय भावों का अकुंर पल्लवित होगा।

www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com

(क) गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) भूमि का निर्माण किसने किया है?
(घ) लेखक ने कर्तव्य के प्रति क्या विचार दिये हैं?
(ङ) राष्ट्रीय भावों का अंकुर कैसे पल्लवित होगा?

अथवा

मगर उदास होना बेकार है। अशोक आज भी मौज में है। जिसमें आज से दो हजार वर्ष पहले था। कहीं भी तो कुछ नहीं बिगड़ा है, कुछ भी तो नहीं बदला है। बदली है मनुष्य की मनोवृत्ति। यदि बदले बिना वह आगे बढ़ सकती है तो शायद भी नहीं बदलती और यदि वह न बदलती और व्यावसायिक संघर्ष आरम्भ हो जाता - मशीन का रथ घर्घर चल पड़ता-विज्ञान का सावेग धावन चल निकलता तो बड़ा बुरा होता।

(क) गद्यांश के पाठ और शीर्षक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) लेखक के अनुसार किसमें परिवर्तन हुआ है?
(घ) अशोक आज भी मौज में क्यों है?
(ङ) मनोवृत्ति और धावन शब्दों का आशय स्पष्ट कीजिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2x5=10

कहते आते थे यही अभी नरदेही,
माता न कुमाता पुत्र कुपुत्र भले ही।
अब कहें सभी यह हाय! विरुद्ध विधाता,
है पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता।
बस मैंने इसका बाह्य मात्र ही देखा,
दृढ़ हृदय न देखा, मृदुल गात ही देखा,
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा,
इस कारण दी तो हाय आज यह बाधा!

(क) पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) कवि के अनुसार आज तक लोग क्या कहते आये हैं?
(घ) उपर्युक्त पद्यांश में कैकेई को किस बात का पश्चाताप है?
(ङ) दृढ़ हृदय और मृदुलगात शब्दों का प्रयोग किसके लिए हुआ है?

अथवा

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं भी दृष्टि आये।
होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को।
जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना।
होठों की औ कमल-मुख की म्लानतायें मिटाना॥

(क) पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।
(ख) राधा महिला के प्रति पवन-दूतिका से क्या कहती है?
(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(घ) 'विकृत वसना' और 'श्रान्ति खोना' शब्दों के अर्थ लिख दीजिए।
(ङ) कवि ने पद्यांश के माध्यम से किस प्रकार की प्रेरणा दी है?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए- (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

(i) वासुदेव शरण अग्रवाल (ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
(iii) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय व उनकी कृतियों

www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com

का उल्लेख कीजिए- (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) मैथिली शरण गुप्ता

(iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय -हरिऔध'

6. 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य लिखिए। 5

अथवा

'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

(क) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्रांकन कीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत- खण्डकाव्य के आधार पर नायिका का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ग) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'मुक्ति यज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) 'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य का सारांश लिखिए।

अथवा

'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ङ) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवण कुमार की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के सन्देश खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(च) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्रांकन कीजिए।

खण्ड - ख

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद कीजिए- 2+5=7

याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच- मैत्रेयि! उद्यास्यन् अहम् अस्मात् स्थानादस्मि। ततस्तेऽनया कात्यायन्या विच्छेदं करवाणि इति। मैत्रेयी उवाच-यदीयं सर्वा पृथ्वी वित्तेन पूर्णा स्यात् तत् किं तेनाहममृता स्यामिति। याज्ञवल्क्य उवाच-नेति।

अथवा

इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति।
अस्माकं रामायणं महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्थाः, चत्वारोवेदाः,
सर्वाः उपनिषदाः, अष्टादशपुराणानि, अन्यानिचमहाकाव्य
नाट्यादीनि अस्यामेवभाषायां लिखितानि सन्ति।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ सहित हिन्दी भावार्थ लिखिए- 2+5=7

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखंपश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति॥

अथवा

विरलविरलाः स्थूलास्ताराः कलाविव सज्जनाः।
मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नमभून्नभः॥

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए। 2

(i) अपना उल्लू सीधा करना। (ii) घी के दिए जलाना।
(iii) एक अनार सौ बीमार

10\. (क) निम्न शब्दों के सन्धि व सन्धि विच्छेद सम्बन्धी सही विकल्प का चयन कीजिए- 3

(अ) 'स्वागतम्' का सन्धि विच्छेद है-
(i) सु+आगतम् (ii) स्व+अगतम् (iii) सो+उगम (iv) स्वा + गतम्

(ब) 'महेन्द्र' का सन्धि है-
(i) दीर्घ (ii) यण (iii) गुण (iv) अयादि

(स) 'नौ + इका:' की सन्धि होगी-
(i) नौइक: (ii) नायिक: (iii) नायिका (iv) नाविक:

(ख) विभक्ति और वचन के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-

(अ) 'आत्मने' शब्द में विभक्ति और वचन है- 1
(i) तृतीया एकवचन (ii) चतुर्थी एकवचन
(iii) पञ्चमी एकवचन (iv) षष्ठी एकवचन

(ब) नाम्ना में विभक्ति और वचन है- 1
(i) चतुर्थी एकवचन (ii) तृतीया बहुवचन
(iii) तृतीया एकवचन (iv) पञ्चमी एकवचन

11\. (क) निम्नलिखित शब्द युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(अ) कुल-कूल 1
(i) पूरा और अधूरा (ii) योग-ठण्डा
(iii) वंश और किनारा (iv) इस ओर - उस ओर

(ब) जलद-जलधि- 1
(i) बादल और समुद्र (ii) बादल और पृथ्वी
(iii) बादल और आकाश (iv) समुद्र और बादल

(ख) निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिख दीजिए- 1+1=2
(i) पत्र (ii) तीर (iii) गुरु

(ग) वाक्यांश के लिए एक शब्द का चयन कीजिए-

(अ) जिसका ज्ञान कम हो- 1
(i) अल्पज्ञ (ii) अजेय (iii) अनजान (iv) अक्षम

(ब) पेट की लगने वाली आग- 1
(i) बड़वाग्नि (ii) जठराग्नि (iii) दावाग्नि (iv) सर्वाग्नि

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को सुधार कर लिखिए- 2
(अ) सूर्य पूरब में निकलता था। (ब) मैं पुस्तक पर लिखता हूँ।
(स) मैंने घर जाना है। (द) पुत्री पराया धन होता है।

12\. (क) 'हास्य' अथवा 'वीर' रस का स्थाई भाव बताते हुए उसकी परिभाषा व उदाहरण लिखिए- 1+1=2

(ख) 'यमक' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ग) 'चौपाई' अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1+1=2

13\. उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु शैक्षणिक ऋण प्राप्त करने के उद्देश्य से किसी बैंक के प्रबन्धक को पत्र लिखिए। 6

अथवा

किसी माध्यमिक विद्यालय के प्रवक्ता पद पर नियुक्ति हेतु प्रबन्धक के नाम पत्र लिखिए।

14\. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए- 2+7=9
(i) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति (ii) भ्रष्टाचार - कारण और निवारण
(iii) परिश्रम का जीवन में महत्व (iv) मेरा प्रिय कवि

www.modelpaper.info & gyansindhuclasses.com